



Indian Council of  
Social Science Research



## Events organized under 'Azadi Ka Amrit Mahotsav'

### 1. Awareness program on Sukanya Samriddhi Yojana held on October 23, 2021



Council for Social Development, Hyderabad a premier research institute of the Indian Council of Social Science Research (ICSSR) organized an event on the theme Action@75 under Azadi Ka Amrit Mahotsav. Awareness was created for the girl child parents with regard to the importance and benefits of the Sukanya Samriddhi Yojana (SSY) to a gathering of 25 people at Chilkanagar, Uppal, Hyderabad. The information about the scheme has been well received and accepted by the gathering in wake of the financial security and independence it would provide to the girl child as well as their parents and guardians.

**2. Registering workers for e-SHRAM held from October 30, 2021 to November 30, 2021 at Council for Social Development, Hyderabad**



Council for Social Development, Hyderabad a premier research institute of Indian Council of Social Science Research (ICSSR) organized an event on the theme action@75 under Azadi Ka Amrit Mahotsav. A score of unorganized daily wage construction workers was informed and motivated to register e-SHRAM on October 30, 2021, at Chilkanagar, Uppal, Hyderabad. In the event, the details about the e-SHRAM registration and explained the importance and benefits were discussed in the long run.

### 3. Seminar on contributions of Bharat Ratna Dr. Bhim Rao Ambedkar held on December 01, 2021 at Swami Shraddhanand College, University of Delhi

## भारतीय संविधान की मूल भावना भारतीय संस्कृति पर आधारित है : राज कुमार

- स्वामी श्रद्धानंद महाविद्यालय में "राष्ट्रीय संविधान दिवस" विषय पर आयोजित हुई राष्ट्रीय संगोष्ठी

नई दिल्ली। स्वामी श्रद्धानंद महाविद्यालय में "राष्ट्रीय संविधान दिवस" विषय पर आयोजित एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में बतौर मुख्य अतिथि बोलते हुए प्रदेश भाजपा कानूनी प्रकोष्ठ के संयोजक एवं राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र बार एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष राज कुमार ने कहा कि भारतीय संविधान की मूल भावना भारतीय संस्कृति पर आधारित है। संविधान को तर्कसंगत बनाने में बाबा साहेब ने अपना अमूल्य योगदान दिया। संगोष्ठी को संबोधित करते हुए महाविद्यालय के प्रधानाचार्य प्रो० प्रवीण गर्ग ने कहा कि बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर



के आदर्शों का अनुसरण करते हुए हम सभी सर्वप्रथम तथा अन्त में केवल भारतीय हैं। गौरतलब है कि आजादी अमृत महोत्सव शृंखला के अन्तर्गत स्वामी श्रद्धानंद कॉलेज एवं भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद के संयुक्त तत्वाधान में बुधवार को एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए राज कुमार ने कहा कि भारतीय

संविधान की आत्मा का मूल चरित्र इस सिद्धांत पर आधारित है कि देश के प्रत्येक नागरिक के साथ न्याय हो, भले ही वह नागरिक किसी भी जाति धर्म अथवा क्षेत्र से संबंध रखता हो। कालेज के प्राचार्य प्रो० गर्ग ने अपने संबोधन में कहा कि धर्मनिरपेक्षता भारतीय संस्कृति की मूल पहचान में समाहित है। भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के 125वें जन्म दिवस के अवसर पर वर्ष 2015 में 26 नवम्बर को संविधान दिवस के तौर पर मनाए जाने का बेहद सराहनीय निर्णय लिया था।



Indian Council of Social Science Research (ICSSR) extended financial support to sponsor this program under Azadi Ka Amrit Mahotsav. The aim of the seminar was to commemorate citizens to have believed in their nation and to make us aware of the nation's achievements in the field of agriculture, science, and technology. Such programs will not only help in nation-building but will help citizens in overcoming day-to-day challenges in their lives. Initiatives like these will further strengthen the country's performance at large and will provide bigger dreams and better opportunities.

In this seminar, the emphasis was on the contributions of Bharat Ratna Babasaheb Dr. Bhim Rao Ambedkar. Through this seminar, we were enlightened by the ideas of Dr. Ambedkar and his role in the freedom movement in India.

4. **Alternative Stories of Freedom Struggle Internship Programme organized by SHoDH-Delhi in collaboration with the Indian Council of Social Science Research and Hindu College from December 01-15, 2021**

75  
आज़ादी का  
अमृत महोत्सव

SHODH  
Indian Council of  
Social Science Research

HINDU COLLEGE  
CONSTITUENT OF DU

## ALTERNATIVE STORIES OF FREEDOM STRUGGLE

Internship program being run by SHoDH-DELHI in collaboration  
with Indian Council of Social Science Research & Hindu College

PRESENTS

### ITS SECOND KNOWLEDGE EVENT RESEARCH METHODOLOGY WORKSHOP

## HOW TO STUDY HISTORY?

EXPERTS FOR THE WORKSHOP:

**DR. YUTHIKA MISHRA**  
HISTORIAN  
ASSOCIATE PROFESSOR,  
VIVEKANANDA COLLEGE,  
UNIVERSITY OF DELHI

**DR. BHUWAN JHA**  
FORMER FELLOW,  
NEHRU MEMORIAL  
MUSEUM AND  
LIBRARY, DELHI

**DR. ABHISHEK TANDON**  
DEPUTY DIRECTOR,  
ICSSR

GRACIOUS PRESENCE:  
**DR. ALOK PANDEY**  
NATIONAL IN-CHARGE,  
SHODH

THE PROGRAM WILL BE  
PRESIDED BY

DATE: 05 DECEMBER 2021 (SUNDAY) | TIME 9:30 AM ONWARDS  
VENUE: CPDHE COMMITTEE HALL, UNIVERSITY OF DELHI  
(NEAR VISHWAVIDYALAYA METRO STATION)

CONTACT: DR. AANCHAL SETHI 9971478441



This internship program is being run by SHoDH-Delhi in collaboration with the Indian Council of Social Science Research and Hindu College. The project involves reaching out to the surviving freedom fighters living in Delhi NCR and interviewing/documenting their memories and contribution to the freedom movement. Through this internship, the student has been given the necessary training of academic skills by experts through one day workshop. All the interns will get experience certificates and credit mentions.

## 5. आजादी के 75 साल, सुशासन का स्वप्न और 2047 का भारत

दिल्ली विश्वविद्यालय के हंसराज कॉलेज में भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, शिक्षा मंत्रालय एवं हंसराज कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में 'आजादी का अमृत महोत्सव' के उपलक्ष्य में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का 25 दिसंबर को शुभारंभ हुआ। 'आजादी के 75 साल, सुशासन का स्वप्न और 2047 का भारत' विषय पर 25-26 दिसंबर को आयोजित होने वाली उक्त संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में प्रो. रमा, डॉ. अनिर्बान गांगुली, अनंत विजय एवं प्रो. रजनी अब्बी ने अपने विचार व्यक्त किए।

कार्यक्रम के प्रारंभ में उपस्थित वक्ताओं ने दोनों भारत-रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी एवं महान शिक्षाविद् महामना पंडित मदन मोहन मालवीय जी का उनकी जयंती पर स्मरण किया। इस अवसर पर डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी शोध प्रतिष्ठान के मानद निदेशक एवं राष्ट्रवादी विद्वान डॉ. अनिर्बान गांगुली ने आजादी के बाद की विभिन्न सरकारों और वर्तमान नेतृत्व की सोच को सामने रखते हुए इस दौर को भारत के आत्म-गौरव, आत्म-सम्मान एवं स्वाभिमान के उत्कर्ष-काल के रूप में रेखांकित किया।

दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रॉक्टर प्रो. रजनी अब्बी ने कहा कि भारत एक मात्र ऐसा देश है जहां सुशासन की विशिष्ट परंपरा रही है। इन 75 वर्षों में कुछ चूक अवश्य हुई है लेकिन हमारी उपलब्धियां गर्व करने लायक हैं। दैनिक जागरण के एसोसिएट संपादक अनंत विजय ने कहा कि इस देश के इतिहास के संबंध में कई भ्रांतियां संस्थागत तरीके से पैदा की गईं और उसी का प्रचार-प्रसार किया गया।

अब आवश्यकता इस बात की है कि आज की पीढ़ी औपनिवेशिक सोच से बाहर निकले और इतिहास का तार्किक विश्लेषण करे।



### आजादी का अमृत महोत्सव' के उपलक्ष्य में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का हुआ उद्घाटन।

#### आईसीएसएसआर और हंसराज कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित है संगोष्ठी।

दिल्ली विश्वविद्यालय के हंसराज कॉलेज में भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, शिक्षा मंत्रालय एवं हंसराज कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में 'आजादी का अमृत महोत्सव' के उपलक्ष्य में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आज शुभारंभ हुआ। आजादी के 75 साल, सुशासन का स्वप्न और 2047 का भारत' विषय पर आयोजित उक्त संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में प्रो. रमा, डॉ. अनिर्बान गांगुली, अनंत विजय एवं प्रो. रजनी अब्बी ने अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के प्रारंभ में उपस्थित वक्ताओं ने दोनों भारत-रत्न



पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी एवं महान शिक्षाविद् महामना पंडित मदन मोहन मालवीय जी का उनकी जयंती पर स्मरण किया। इस अवसर पर डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी शोध प्रतिष्ठान के मानद निदेशक एवं राष्ट्रवादी विद्वान डॉ. अनिर्बान गांगुली ने आजादी के बाद की विभिन्न सरकारों और वर्तमान नेतृत्व की सोच को सामने रखते हुए इस दौर को भारत के आत्म-गौरव, आत्म-सम्मान एवं स्वाभिमान के उत्कर्ष-काल के रूप में रेखांकित किया। उद्घाटन वक्ताओं का स्वागत करते हुए हंसराज कॉलेज की प्राचार्या

प्रो. रमा ने हंसराज कॉलेज को शक्ति का निर्वहण करने का आह्वान किया। साथ ही, वर्तमान शासन और नैतृत्व के सांख्यिक, दूरदर्शी एवं परिवर्तनकारी कदमों को सराहना की। दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रॉक्टर प्रो. रजनी अब्बी ने कहा कि भारत एक मात्र ऐसा देश है जहां सुशासन की विशिष्ट परंपरा रही है। इन 75 वर्षों में कुछ चूक अवश्य हुई है लेकिन हमारी उपलब्धियां गर्व करने लायक हैं। दैनिक जागरण के एसोसिएट संपादक अनंत विजय ने कहा कि इस देश के इतिहास के संबंध में कई भ्रांतियां संस्थागत तरीके से पैदा की गईं और उसी का प्रचार-प्रसार किया गया।

### दैनिक जागरण 'आजादी का अमृत महोत्सव' के उपलक्ष्य में दो दिवसीय संगोष्ठी शुरू

दिल्ली विश्वविद्यालय के हंसराज कॉलेज में भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, शिक्षा मंत्रालय और हंसराज कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में 'आजादी का अमृत महोत्सव' के उपलक्ष्य में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का शनिवार को शुभारंभ किया गया। 'आजादी के 75 साल, सुशासन का स्वप्न और 2047 का भारत' विषय पर 25-26 दिसंबर को आयोजित होने वाली इस संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में प्रो. रमा, डॉ. अनिर्बान गांगुली एवं प्रो. रजनी अब्बी ने विचार रखे। उपस्थित वक्ताओं का स्वागत करते हुए हंसराज कॉलेज की प्राचार्या प्रो. रमा ने विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को देश के प्रति अपने दायित्व का निर्वाह करने का आह्वान किया। उन्होंने वर्तमान शासन और नेतृत्व के सांख्यिक, दूरदर्शी एवं परिवर्तनकारी कदमों की सराहना की। कार्यक्रम में डॉ. विजय कुमार मिश्र हिंदी विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. नृत्य गोपाल शर्मा भी उपस्थित रहे।

## 6. Webinar on 'Welfare Discourses in India'

Centre for Economic and Social Studies (CESS), Hyderabad, an ICSSR Research Institute organized a lecture. Prof. Prakash Sarangi delivered the lecture on 'Welfare Discourses in India' as part of the Azadi Ka Amrit Mahotsav CESS-DGS Special Lecture Series on Development Themes. The lecture broadly discussed the welfare strategies in India by classifying them into different phases starting from 1947 to 2004. The lecture put thrust on the four important phases of India since Independence.

Phase 1: Paternalistic Welfare (1947-68) characterised the political and economic contexts of Nehruvian model.

Phase 2: Clientilistic Welfare (1969-90) was about emergence of fractional politics and disintegration of consensual politics. And, with regard to third phase,


Phase 3: Basic Needs as Welfare (1991-2003) it was characterised with politics of segmentation, proliferation of parties and localization of politics. Sub-identities multiplied and stable clientele electoral linkage began to dismantle. The economic context was characterised by the policies of liberalization.

Finally, in the fourth phase, politics moved beyond segments. There has been a realignment and accommodation of diverse interests. Importance of larger coalition to assert power became prominent.

### Azadi ka Amrit Mahotsav

*CESS-DGS Special Lecture series on Development Theme-10*

#### Topic: "Welfare Discourses in India"



**Prof. Prakash Sarangi**  
Former VC, Ravenshaw University  
Former Prof. Political Science, UoH


**Venue**  
Seminar Hall, First Floor

**Date:** Dec 20, 2021  
**Time:** 11:00 A.M. India


**Join Zoom Meeting**

**Meeting ID:** 819 2253 9657  
**Passcode:** 932818


**Zoom Link**  
<https://us02web.zoom.us/j/81922539657?pwd=YYZsOFU2TVhmY040QldubjQwMFRdCz09>



**Chairperson**  
Prof. M. Gopinath Reddy



**Moderator**  
Dr. Aivelu Kasturi



**Centre for Economic and Social Studies, Hyderabad**

## 7. Celebrating Unsung Heroes

Council for Social Development (CSD), Hyderabad, an ICSSR research institute in collaboration with Aryan School of Business Management, Bhubaneswar organized a programme on “Azadi ka Amrit Mohotsav” which was held on 21st December 2021.

Mrs Dipti Mishra, head of Programme Doordarshan Kendra, Bhubaneswar was the esteemed Chief Guest and shared her experience with the students where she offered a heartfelt thanks to the unsung heroes. She also highlighted the achievements of freedom fighters as well as motivated the student to be better in future. She elaborated how Doordarshan Bhubaneswar is celebrating “Azadi ka Amrit Mahotsav”.

Our Freedom Fighter Sri Padma Charan Nayak, an Eminent Gandhian, Columnist and anti – liquor activist of India who narrated his life struggle in the Freedom movement. He also shared that in his nineties, he was leading an Organisation named Milita Odisha Nisha Nibarana Abhijan where he used to sensitize public to voice against the spread of liquor in the state of Odisha and in India. At last, he concluded his speech by saying that he will continue his Struggle until there is a complete ban on Liquor in the Country.



## 8. Dissemination of a dying folk art form of Odisha – GOTIPUA

Council for Social Development (CSD), Hyderabad, an ICSSR research institute in collaboration with Aryan School of Business Management, Bhubaneswar organized an event on 'Dissemination of a dying folk art form of Odisha – GOTIPUA' under the Azadi ka Amrit Mohotsav on 21<sup>st</sup> December 2021.

GOTIPUA is a traditional dance art form of Odisha. However with the advent of modernisation and globalization, we have witnessed the emergence of a synthetic homogenous macro culture, as a result of which the micro-culture identities are at stake. They need revival. Mrs Dipti Mishra, head of Programme Doordarshan Kendra Bhubaneswar was the esteemed Chief Guest. In this event "Gotipua" dance guru Mr.Maguni Charan Jena was felicitated and his team performed Odisha's dying art form "Gotipua dance".

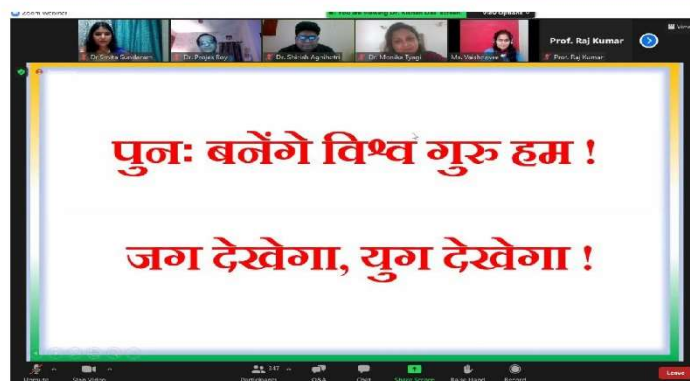
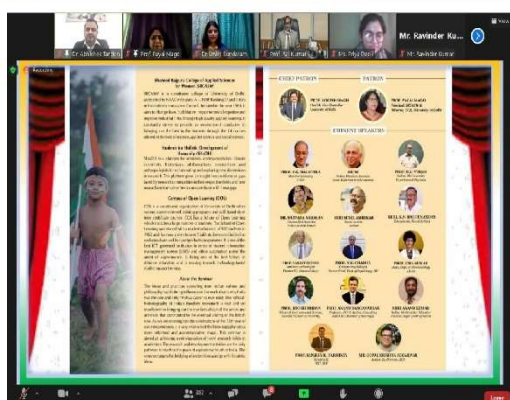




## 9. Vishva Guru Bharat Exploring the Glorious Past, Promising Present & Future Roadmap, a Curtain Raiser Ceremony held on 14th January 2022 through online mode.

Shaheed Rajguru College of Applied Sciences for Women, (University of Delhi) in collaboration with the ICSSR, New Delhi and Students of Holistic Development of Humanity (SHoDH), and knowledge partner COL (University of Delhi) organized a Curtain Raiser Ceremony on 14th January 2022 through online mode. The seminar will be held on 23-24 March 2022. The event was inaugurated with the opening remarks by Prof. Payal Mago, principal of Shaheed Rajguru College. Prof. Raj Kumar, Director, Patel Chest Institute, University of Delhi, inaugurated the Brochure of the seminar.

The ideas and practices sprawling from Indian culture and philosophy had defining influence on the world that is why India was the one and only "Vishva Guru" to ever exist. The 'official' historiography of India's freedom movement is vast and yet insufficient in bringing out the true facts about all the actors and activities that contributed to the eventual ending of the British rule. As we are entering into the celebrations of the 75th year of our independence, it is very vital to find the historiography into a more informed and accommodative shape. This Seminar is aimed at achieving a reinvigoration of novel research fields in academics. The research and development activities are the only pathway to reach to the goals of aspirational youth of India. The seminar targets the bridging of ancient knowledge with futuristic ideas.

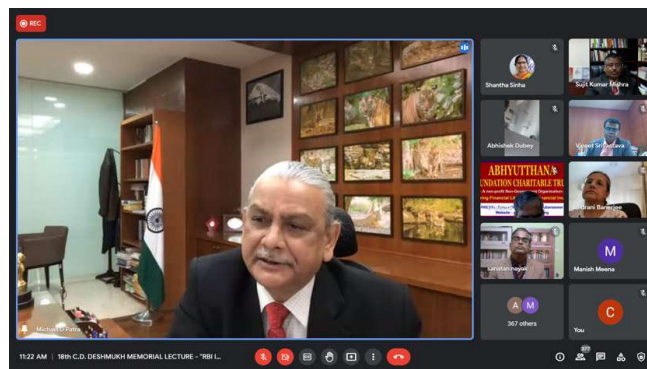


## 10. C D Deshmukh Memorial Lecture on 'RBI's Response to Pandemic: Stepping out of Oblivion'

Council for Social Development (CSD), an autonomous Research Institute of ICSSR under Ministry of Education, Government of India based in Hyderabad has organized 18th C D Deshmukh Memorial Lecture titled 'RBI's Response to Pandemic: Stepping out of Oblivion' on Friday 28<sup>th</sup> January 2022, under the banner of Azadi Ka Amrit Mahotsav.

This lecture was delivered by Dr Michael Debabrata Patra, Deputy Governor of Reserve Bank of India and the lecture was chaired by Prof. Shanta Sinha, Chairperson, Managing Committee, CSD, Hyderabad. This lecture was attended by more than four hundred participants from across the nation and from different backgrounds which include academicians, bureaucrats, research scholars, independent researchers, professors and students. This event was covered by most of the national dailies like The Hindi, The Economic Times, Times of India and Financial Express etc.

Dr. Michael Debabrata Patra threw light upon the RBI's responses in both first and second wave of pandemic and elaborately discussed RBI's policy normalisation path through the introduction of variable rate reverse repo (VRRR), maintaining banking liquidity at pre-pandemic levels including government cash balances, customer-centric initiatives to provide opportunities to retail investors to participate in securities market. He also indicated that issues like unemployment and low buying power were addressed especially amongst the lower middle-class and schemes are already in place to address the financial stress that small and medium-sized firms are experiencing.



## RBI's accommodative approach has served country well: Patra

Reserve Bank's measures helped in economic turnaround, says Deputy Governor

**SPECIAL CORRESPONDENT**  
Reserve Bank of India Deputy Governor Michael Debabrata Patra said the central bank's decision to continue with an accommodative policy stance, despite criticism, had served the country well and that time would tell whether the approach had been 'correct'.  
"In a situation in which several Emerging Market Economies (EMEs) were jumping on to the bandwagon of tightening monetary policy and Advanced Economies (AEs) were announcing normalisation or joining their EMEs in raising policy rates, India held its ground and is among a few countries



**Miles to go:** The restoration of livelihoods and the revival of MSMEs are tasks that lie ahead, says Patra. - BIJOY GHOSH

that have retained an accommodative monetary policy, despite some views that we have fallen behind the curve," he said in a virtual speech delivered at the C.D. Deshmukh Memorial Lec-

ture Series organised by the Council for Social Development, Hyderabad.  
"Time will tell" "Only time will tell whether or not India has got it right or not India has got it right

Source: The Hindu

## 'RBI's Accommodative Stance has Served Well So Far'

Restoration of livelihoods and revival of MSMEs key challenges, says deputy governor Michael D Patra

**Our Bureau**

**Kolkata:** Lifting private consumption, investment and revival of micro, small and medium enterprises (MSMEs) are key challenges going forward, even as Reserve Bank of India's policy steps helped Indian economy to grow amid disruptions caused by the pandemic, said Michael D Patra, a deputy governor at India's central bank, asserting that the RBI's accommodative stance "served well so far" despite the "falling behind the curve" criticism. "We are on course to be among the fastest growing economies of the world. Private consumption



delivering the annual CD Deshmukh Memorial Lecture. C D Deshmukh was the first Indian governor of RBI. He later became

and investments are still work in progress. The restoration of livelihoods and the revival of MSMEs are formidable tasks ahead," Patra said Friday.  
He said that holding rates steady and retaining the accommodative monetary policy have served Indian economy well while several economies are either tightening their monetary policies or announcing policy normalisation in response to rising inflation.  
"Only time will tell whether or not India has got it right, but so far this approach has served us well and helped in charting a course into the future which is different from the world," Patra said while

the Union finance minister. RBI has projected Indian economy to grow at 9.5% in FY22 compared with a 7.3% contraction in the preceding fiscal. India's consumer price index (CPI), which acts as the proxy for the inflation targeting central bank, rose to a five-month high of 5.26% in December but remained below the upper tolerance band of 6%.  
"The RBI remains committed to revive and sustain growth on a durable basis and continue to mitigate the impact of Covid-19 on the economy, while ensuring that inflation remains within the target going forward," the deputy governor said.  
RBI unleashed a series of measures, including some unconventional ones since March 2020 to navigate the economy amid the severe disruptions caused by the Covid-19 virus.  
Patra said that RBI's measures had contributed significantly in engineering the turnaround in the Indian economy, supported by rising financial inclusion and digitalisation.  
"The lessons of the pandemic will be imbibed and the RBI will emerge stronger and more resilient than before, and will remain committed to its mandate of price stability, keeping in mind the objective of growth," he said.


Source: The Economic Times

## 11. Public Lecture on 'Climate Change and Disaster Risks: Rethinking Climate Financing for India @75'


Council for Social Development (CSD), an autonomous Research Institute of ICSSR under Ministry of Education, Government of India based in Hyderabad has organized a public lecture titled "Climate Change and Disaster Risks: Rethinking Climate Financing for India @75" in virtual mode on Friday 21st January 2022, under the banner of Azadi Ka Amrit Mahotsav.

This lecture was chaired by Prof. Sunil Nautiyal Professor, Centre for Ecological Economics and Natural Resources, Institute for Social and Economic Change, Bengaluru and the Speaker was Dr. Architesh Panda Associate Project Manager, Munich Climate Insurance Initiative, United Nations University Bonn, Germany. This lecture was attended by almost one hundred participants from across the nation and from different backgrounds which include academicians, Bureaucrats, research Scholars, independent researchers, professors and students.


Dr. Architesh Panda spoke extensively on climate and disaster risk financing instruments which can play a significant role in enabling faster and more effective disaster response to affected communities, and which can lower the overall economic cost of disasters in India. Further he noted that there is an urgent need to build a more systematic and coherent disasters financing mechanisms for long term resilience building through innovations in risk financing mechanisms that works for the poor and the vulnerable.




**COUNCIL FOR SOCIAL DEVELOPMENT**  
(a research institute supported by Indian Council of Social Science Research, Government of Telangana & Reserve Bank of India)  
Southern Regional Centre, Hyderabad  
www.csdhyd.org



*Invites you to the Public Lecture on*  
**"Climate Change and Disaster Risks: Rethinking Climate Financing for India @75"**



*Honorable Speaker*  
**Dr. Architesh Panda**  
Associate Project Manager,  
Munich Climate Insurance Initiative,  
United Nations University  
Bonn, Germany



*Honorable Chair*  
**Prof. Sunil Nautiyal**  
Professor, Centre for Ecological  
Economics and Natural Resources,  
Institute for Social and Economic  
Change, Bengaluru

**Friday 21<sup>st</sup> January 2022 – 4.00 PM to 5.30 PM**

Register in advance for the meeting  
<https://forms.gle/art4Z6CaQIGVHXrk7>

**Abstract**  
Climate and disaster risk financing instruments can play a significantly important role in enabling faster and more effective disaster response to affected communities, and can lower the overall economic cost of disasters in India. However, despite the increasing challenges, current disaster risk financing architecture leaves much to be desired at policy and governance level for building financial resilience to climate change. There is an urgent need to build a more systematic and coherent disasters financing mechanisms for long term resilience building through innovations in risk financing mechanisms that works for the poor and the vulnerable.

**SUJIT KUMAR MISHRA**  
Professor & Regional Director (In-charge)  
Council for Social Development, Hyderabad




**12. Centre for Development Studies (CDS),** Thiruvananthapuram, Kerala, an ICSSR Research Institutes has planned to organize AKAM series of public lectures for a whole year, and it will continue as a series of monthly lectures till Jan 2023. The CDS Institute invited eminent scholars who have done research on lesser known personalities who have contributed to our understanding of freedom and well-being, or those who have provided novel interpretations of the ideas of better-known figures.


**Lecture – 1: The Story of Professor P J Thomas: An Unsung Economist**

By: Dr. E. M. Thomas, Visiting Professor at Mahatma Gandhi University, Kottayam, Moderator: Prof. J. Devika

Date: January 14, 2022



**Centre for  
Development  
Studies**



**75  
Azadi Ka  
Amrit Mahotsav**

## AKAM LECTURE SERIES-2022

Lecture - 01

### CONTRIBUTIONS OF PROFESSOR P J THOMAS


By  
**Dr. E M Thomas**

Moderator:  
**Prof. J Devika**

**Friday, January 14, 2022  
03.30 PM.**

Dr. P. J. Thomas was one of the rare breeds of economists who made a difference in modern India's history. A product of Oxford, he served as economic advisor to the governments of both, British India Government (1942-1947) and independent India led by India's first Prime Minister Jawaharlal Nehru, and represented India to sign the United Nations charter invites inaugural session held in San Francisco in 1945. He strode like a colossus in economic thinking on the eve of India's independence. His observations in the sphere of general sales tax, population growth, rural employment guarantee, land reforms, green revolution, local self government, co-operatives and rural indebtedness turned out to be prophetic. Independent India saw most of his innovative ideas becoming a reality. The much touted MGNREGA (Mahatma Gandhi National Rural Employment Guarantee Scheme was originally the brain child of Thomas, who mooted it in one of his works during early 1930s.

This lecture is based on life and contribution of Dr P. J Thomas covers his monumental contributions as an academic, teacher, economist, administrator, author and parliamentarian. The book will be useful for researchers and post graduate students of economics. It is also a treasure mine of information for policymakers, bankers, tax experts, central bankers, and those who are interested in the study of federal finance in India.



Dr. E M Thomas is co-ordinator and faculty of Interuniversity Centre for Financial Economics and Financial Engineering, University of Calicut at Dr John Matthai Centre, Thrissur, Kerala. Previously, he was the Associate Professor of Economics at Christ College, Irinjalakuda, Thrissur. He has authored more than 50 professional publications including 12 books. He obtained his BA and MA Degree in Economics from University of Kerala and PhD from University of Calicut. He did his specialisation course on decentralised planning in the University of Belgrade, under the supervision of Prof Alexander Jovanovic and Prof Jovan Todorovic.

Link for the event: <https://bit.ly/3xJO9f8>  
Meeting No: 2557 155 5043  
Password : CDS1234

**RSVP**

CDS, Prasanth Nagar, Medical College.P.O,  
Ulloor, Thiruvananthapuram- 695011  
Tel: +91 471 2774200, Website: [www.cds.edu](http://www.cds.edu), Email: [programme@cds.edu](mailto:programme@cds.edu)

**Lecture - 2: Chattambi Swamikal and the Deconstruction of the Sudra**

By: Dr. T. T. Sreekumar, Director, School of Interdisciplinary Studies, EFLU, Hyderabad, Moderator : Prof. J. Devika.

Date: February 17, 2022

Lecture - 02

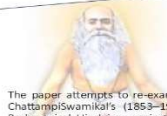
**CHATTAMPI SWAMIKAL AND THE DECONSTRUCTION OF THE SUDRA: CONTRADICTIONS OF THE SAVARNA CASTE FORMATION IN 19<sup>TH</sup> CENTURY KERALA**

By  
**Prof. T. T. Sreekumar**

Moderator:  
**Prof. J. Devika**

**Thursday, February 17, 2022**  
**03.00 PM.**

Link for the event: <https://bit.ly/347LBN0>  
Meeting No: 2554 783 3696  
Password : CDS123



The paper attempts to re-examine Kerala social reformer and Chattampi Swamikal's (1853-1924) theological revisionism of Brahmanical Hinduism against the backdrop of his strenuous attempts to provide a critique of Christianity and its missionary activities in Southern Travancore intertwined with his self-reflexive rebellion against the domination of Nampudiri Brahmins within the Caste hierarchy of traditional Kerala.

The paper identifies three important discursive strands of a negative dialectics central to Chattampi Swamikal's metaphysics that consecutively emerged in his attempts to confront the ideological supremacy of Brahmanical Hinduism in Kerala. The three important texts that he authored during the last decade of the 19th century, namely Kristumata Niroopanam, (A Critique of Christianity, Vedadhikara Niroopanam (A Critique of Right over Vedic Knowledge) and Prachina Malayalam (The Early Land of Malayalam) are closely examined in this paper to provide an understanding of the ideological contradictions in the processes of Savarna caste formation in the 20th century Kerala and subsequent social transformations of hegemonic Savarna caste power in the state.

The paper focuses particularly on the ideological capital that the Savarna Nairs drew from Swamikal's life and work. It is argued that the structuration of his self-reflexive writing unfolds in three different directions in the abovementioned texts. His mediation with self as a spiritualist entails several layers of negations of the multiple others in the form of Christianity, Vedic exclusionism and Kerala Brahmanism.



Prof. T. T. Sreekumar holds an M. Phil. from CDS/ JNU, and a PhD in STS (Science, Technology & Society) from the School of Humanities & Social Science, Hong Kong University of Science & Technology (HKUST), Hong Kong.

Currently he teaches at the Department of Communication, EFL University, Hyderabad, India. He has previously taught at the National University of Singapore (NUS), and Division of Social Sciences, HKUST, Hong Kong. At EFL University, he is also holding the position of the Director of the Educational Multimedia Research Center (EMMRC).

He is the author of the book "CDS & Development in India: Perspectives on the Rural Network Society" (Anthem Books, London, 2011). Widely published in National and International Journals, Sreekumar has research experience in India, Bangladesh, Indonesia, Philippines, Thailand, Vietnam and Singapore and has presented research papers in major Communications and Social Science Conferences/Seminars held in Asia, USA, Europe, Africa, New Zealand, Canada and Latin America.

He has been the Editor in Chief (2013-2017) of Journal of Creative Communications (peer reviewed, International Sage Publication), and the Associate Editor (2014-2019) of Media Asia (Taylor & Francis). He is currently the Editor of International Journal of Media Studies published by EFL University. He also serves as member of the editorial advisory board and as manuscript reviewer for several other prominent journals and publishing houses.

His research interests include New Media and Technoculture, Impact of Internet in Developing Countries, Mobile communications, State Civil Society relations, Political Economy of Development; Religion and New Media, Cyberculture and New Social Movements.

He is a columnist and writer in Malayalam. He has published over 15 books and 500 articles in Malayalam language on topics including literary criticism, political commentary, historical observations and philosophical reflections. He is also closely associated with several civil society organizations in India.

**RSVP**

CDS, Prasanth Nagar, Medical College P.O,  
Ulloor, Thiruvananthapuram- 695011, Tel: +91 471 2774200,  
Website: [www.cds.edu](http://www.cds.edu), Email: [programme@cds.edu](mailto:programme@cds.edu)

Forthcoming Lecture this month

**Lecture - 3 : Reformism, Piety and Politics: A Study of Muslim Counter Public through the Life and Works of Makthi Thangal**

By: Dr. Sherin B.S, Asst. Professor, Dept. of Comparative Literature, The English and Foreign Languages University, Hyderabad, Moderator : Prof. J. Devika.

Date: March 31, 2022

Lecture - 03

**Reformism, Piety and Politics: A Study of Muslim Counter public through the Life and Works of Makthi Thangal**

By  
**Dr. Sherin B.S.**  
Assistant Professor,  
The English and Foreign Languages University,  
Hyderabad

Moderator:  
**Prof. J. Devika**  
Professor, CDS

**Thursday, 31 March, 2022**  
**03.30 PM.**



Gender and caste are two axes through which historiography envisages the field of reform movements. Generally, Indian nationalism incorporates these apparently diverse discursive domains into its fold, and many historians have delineated the intrinsic patterns of gendering and caste structuring woven into the designs of imagining the nation, adjunct to the reform movements.

However, early twentieth century and late nineteenth century socio religious movements rose from different ethos in different communities and the constitutive field of anti-colonial sentiments were variously embraced by different communities. If anti-caste movements of the time had a nuanced relationship with colonialism, especially in favour of missionary education and various material support from the Europeans, Muslims in India had a different take on colonialism. The history of Islam in South India, especially in Kerala had a troubled relationship with European invasion, starting from the earliest European presence of the Portuguese in coastal Kerala. In the back drop of the community's eroding power, the Muslim reformers addressed both pan-Islamic tension with Christianity as well as specificities of the political geography. This paper is an attempt to study the intricacies of Muslim reform movements and the counterpublics created through the sermons, literature and piety that contested religious orthodoxy, colonialism and feudalism simultaneously focusing on the life and works of Syed Sanathullah Makthi Thangal (1847-1912). Doing so, I also intend to expose the plural and complex histories underlying reform movements, discarding singular and inflated ideas of monolithic nationalism. The ethical dimension of collective life initiated through Makthi Thangal's ideas contests modern nationstate's straitjacket secularism and spreads over social, political and moral domains of pious living.



Sherin B.S. is Assistant Professor, at the Department of Comparative Literature and India Studies, The English and Foreign Languages University. Her academic interests include Secularism and Religion in India, Gender Studies, Comparative Studies, Regional Cinema, Contemporary Art, Urban Studies and Malayalam Literature. She has presented papers in various international and national conferences on these topics. Feminist Studies in India, Women's Autobiographies, Youth Culture, Nation in Literature, Literature of Difference, Literature and Other Arts and Cities, Space and Culture are some of the courses she teaches. She has done her PhD on "Islam and Women in Kerala" and won the fellowship by the Bureau of Educational and Cultural Affairs, United States at the University of California, for "The Study of the U.S. Institute on Religious Pluralism" that examines the intersection between religious pluralism and democracy. A bilingual scholar, she has published in English and Malayalam with peer-reviewed journals and also in non-academic platforms on topics of contemporary relevance. Her monograph on Women and Islam is published by Orient Blackswan, titled "Gendering Minorities: Muslim Women and the Politics of Modernity (2021)". She is also the author of the book, "Feminism, Desheeyathu, Murthalaq/ Prathu Vayavaharagalude Rashitreyeyan (Feminism, Nationalism and Triple Talaaq: The Politics of Counter Discourses) 2018, in Malayalam.

Link for the event:

<https://bit.ly/3KH5NVQ>

Meeting No: 2557 934 6208

Password : CDS1234

**RSVP**

CDS, Prasanth Nagar, Medical College P.O,  
Ulloor, Thiruvananthapuram- 695011  
Tel: +91 471 2774200, Website: [www.cds.edu](http://www.cds.edu), Email: [programme@cds.edu](mailto:programme@cds.edu)

### 13. Giri Institute of Development Studies, Lucknow

Azadi Ka Amrit Mahotsav Lecture Series

Lecture 1: "Awadh Kisan Sabha in Uttar Pradesh: A Subaltern Perspective" by **Prof Victor Babu, BBAU, Central University, Lucknow**, on 24<sup>th</sup> February 2022 at 3.30 p.m. to 5.p.m. (Hybrid Mode)



# Giri Institute of Development Studies

Sector 'D', Aliganj, Lucknow-226024

## GIDS "Azadi Ka Amrit Mahotsav Lecture Series"

Giri Institute of Development Studies, Lucknow, cordially invites you to the 2nd invited Lecture as a part of **Azadi Ka Amrit Mahotsav**  
**AWADH KISAN SABHA IN UTTAR PRADESH: A SUBALTERN PERSPECTIVE**  
On Thursday 24th February, 2022 at 3:30 PM to 5:00 PM



Welcome Address  
**Prof. Parmod Kumar**  
Director, GIDS



Lecture  
**Prof. Victor Babu**  
BBAU, Central University, Lucknow



Chairman  
**Prof Alakh N Sharma,**  
Director, IHD, New Delhi and Member BOG, GIDS



Moderator  
**Dr. C.S. Verma**  
Associate Professor, GIDS

Join Zoom Meeting  
<https://us02web.zoom.us/j/88476436328?pwd=alNrbTdZWVpMamZ6MEpZ20hVm1xwQTO9>  
Meeting ID: 884 7643 6328 Passcode: 485665





Vote of thanks  
**Dr. Nomita P. Kumar**  
Assistant Professor, GIDS

14. Shaheed Rajguru College of Applied Sciences for Women (SRCASW), University of Delhi, in collaboration with Indian Council for Social Science Research (ICSSR), organised a National Seminar on “Vishva Guru Bharat: Exploring the Glorious Past, Promising Present and the Futuristic Roadmap” from 23-24, March 2022 at Vallabhnbhai Patel Chest Institute, University of Delhi, Delhi.

The two-day seminar began with paying tributes to our freedom fighters on Shaheedi Diwas and with the vision they had for India. The seminar encouraged the youth of today to present research and ideas in the areas and sub-themes of Historical Roots of Bharat, Policy Building: Role of NEP & Education, Growth of Bharat: Health and Well-being and Economy, Sustainability & Indian Philosophy.



Hon'ble Sri M Ji, a Padma Bhushan awardee and Chancellor of Maulana Azad National Urdu University, Hyderabad was the Chief Guest of the seminar. He motivated the youth who hold the essence of India's spirit and represent the hope and future of the nation. He guided them on how India can achieve the status of being an unparalleled strong nation by being spiritually well connected with oneself and those around.



The seminar saw the presence of several experts and notable dignitaries from all walks of life which covered all the sub-themes of the seminar. Through this seminar, the audience had a wonderful opportunity to listen, learn and feel motivated by the experiences and words of wisdom shared by the speakers.

15. **Bapu P G College, Pipiganj, UP** in collaboration with Indian Council for Social Science Research (ICSSR), organised a National Seminar on Azadi Ka Amrit Mahotsav- Vishva Guru Bharat Chanakya, Topic "Kautilya's Philosophy of War" from 12-13 February 2022

बापू पीजी कालेज में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का हुआ शुभारम्भ

## सेमिनार से समाज में आयेगा सकारात्मक परिवर्तन : डा.मंजू मिश्रा

हिन्दू भास्कर समाचार

पीपीगंज (मोरखपुर)। बापू स्नातकोत्तर महाविद्यालय में रक्षा-अध्ययन विभाग के तालाकमान में आईएचएसएसआर द्वारा प्रायोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारम्भ शनिवार को हुआ। कौटिल्य का युद्ध दर्शन विषय पर आयोजित संगोष्ठी में कौटिल्य की प्रचार्य डॉ.मंजू मिश्रा ने सभी आयत अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि इस प्रकार के सेमिनार के आयोजन से निरपेक्ष समाज के अंदर एक सकारात्मक परिवर्तन आएगा। जिससे राष्ट्र संघन और सशक्त होगा।

संगोष्ठी के विषय का विषय प्रवर्तन डॉ.अशोक कुमार श्रेष्ठारसव ने करते हुए कहा कि कौटिल्य दर्शन अखंड भारत की अवधारणा को साकार करता है। विशिष्ट चक्रा डीडीवी



विश्वविद्यालय मोरखपुर आयोजित रक्षा अध्ययन विभाग प्रोफेसर श्रीनिवास शंणु जिवाडी ने अपने उद्घोषण में कौटिल्य द्वारा रचित अर्थशास्त्र ने किसी भी राज्य के आर्थिक नीति एवं राज्य विस्तार सासकर भारत एवं एशिया के राष्ट्रों के संदर्भ में प्रस्तुत किया। और कहा कि उनकी नीति से इस क्षेत्र को सहज संघन बनाने की अवधारणा रखी जा सकती है।

दूसरे मुख्य चक्रा डीडीवी विश्वविद्यालय मोरखपुर आयोजित रक्षा अध्ययन विभाग प्रोफेसर विनोद कुमार सिंह ने अपने उद्घोषण में स्पष्ट किया कि युद्ध शासक सत्य है। जब परिस्थितियां जन्म लेती तो युद्ध अवश्य होते। लेकिन इस युद्ध को सफलतापूर्वक जिस नीति से लड़ा जाएगा। उस नीति कौटिल्य ने आज से 2500 वर्ष पूर्व रख दी



थी। जिसके चलते पर कोई भी राष्ट्र सशक्त संघन एवं विश्व गुरु की अवधारणा को सशक्त करेगा सासकर भारत के संदर्भ में। कौटिल्य ने युद्ध की मुख्यता उन नीतियों को बताया जिनको सत्य,सम,पेद एवं रंठ के आधार पर लागू करने की बात कही। मुख्य चक्रा डीडीवी विश्वविद्यालय मोरखपुर अध्यक्ष प्रोफेसर हर्ष कुमार शिन्हा ने कहा

कि आज से 2500 वर्ष पूर्व युद्ध का जो प्रबंधन किया, वह आज के समय भी प्राथमिक है। जिससे राष्ट्र को विश्व गुरु बनना जा सकता है। लेकिन खेद है कई हजार वर्ष पूर्व उनकी यह युद्ध नीतियां भारत जैसे राष्ट्र में निरंतर लागू ना हो सकीं। जिसके परिणामतः देश मुगलों और अंग्रेजों के अधीन रहा। आज आवश्यक है देश को समृद्धि के

लिए उनकी युद्ध नीतियों एवं उनके दर्शन को अपनाकर युव-यौवकमाली शिक्षा को प्राथम किया जा सके। जिससे समाज का हर तबका युद्ध संघन हो और राष्ट्र समृद्धि बने।

संगोष्ठी की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्रबंधक कमाल जावेद व धन्यवाद ज्ञापन डॉ.निखिल एवं संवाकन डॉ. करण सिंह व करुणेश सिंह ने किया।

इस दौरान महाविद्यालय के संजीत कुमार सिंह, सुरज प्रकाश मिश्रा, अमित कुमार शिवादी, करुणेश सिंह, सुनील कुमार प्रसाद, रंजु शर्मा, रूपम शर्मा, वैष्णव शर्मा, आनंद प्रकाश शर्मा, डॉ. विशाल रंजन शिवादी अतिथिगणित एवं कार्यकारी गण के साथ स्थानीय गणपथ एवं देश प्रदेश से आए हुए प्रतिभागीय उपस्थित रहे।



16. **Sardar Patel Institute of Economic and Social Research (SPIESR)**, Ahmedabad an ICSSR Research Institute has organized a lecture series on **“Women Entrepreneurs Development: Collectives as the Way Forward”** held on 22nd April under ‘Azadi Ka Amrit Mahotsav’ to glorify/ acknowledge the women entrepreneurs and their contribution to Indian society and economy. The aim of “Aatma Nirbhar Bharat” cannot be achieved without acknowledging the journey of women entrepreneurs. Based on the assessment of the experience of promoting large scale entrepreneurship development among rural and unorganized sector women, the webinar explored the role and potential of the collectives in the same.



**Sardar Patel Institute of Economic and Social Research (SPIESR) Ahmedabad.**

Website: [www.spiesr.ac.in](http://www.spiesr.ac.in) Phone: 079-26850598



**Lecture Series**

SPIESR, Ahmedabad invites you to virtually attend the lecture on

**'Women Entrepreneurship Development: Collectives as the Way Forward'**



**Speaker:**

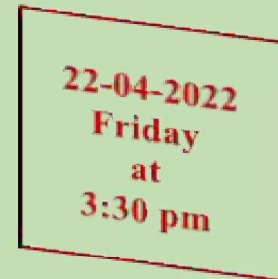
**Prof. H. S. Shylendra**

Professor, Institute of Rural Management, Anand.

**Moderator:**

**Prof. Niti Mehta**

Director, SPIESR, Ahmedabad



**Please join the following zoom link**

<https://us06web.zoom.us/j/5865191131?pwd=b0Jhb3FsM0kwVjMyZk0xU2hFcFVEUT09>

**Meeting ID: 586 519 1131**

**Passcode: x2U1D1**

**Dr. Hansa Jain**  
Convener

**Dr. Forum Dave**  
Co-Convener

Please feel free to forward to your interested peers, scholars, students and colleagues

17. The Centre for Economic and Social Studies (CESS), Hyderabad, an ICSSR Research Institute organized a Lecture under the Azadi Ka Amrit Mahotsav (AKAM) Series by Prof. Bhalchandra Mungekar, Former Nominated Member of Parliament of the Rajya Sabha and Former Vice- Chancellor, University of Mumbai on "India @75 : Dr B R Ambedkar : Maker of Modern India" held on Friday, 22<sup>nd</sup> April, 2022 at CESS, Hyderabad. Prof. Dilip M Nachane, Chairman, CESS will preside the occasion.



## Invitation



**CENTRE FOR ECONOMIC AND SOCIAL STUDIES**

*Cordially invites you to the Lecture*

*by*

**Prof. Bhalchandra Mungekar**

Former Nominated Member of Parliament of the Rajya Sabha  
Former Vice- Chancellor, University of Mumbai

*under*

**Azadi Ka Amrit Mahotsav Lecture Series**

*on*

**India @ 75: Dr. B.R. Ambedkar: Maker of Modern India**

Presided

by

**Prof. Dilip M Nachane**

**Chairman**

Centre for Economic and Social Studies, Hyderabad

**Friday 22 April, 2022**

**Time : 11.00 AM**

**Venue : B. P. R. Vithal Auditorium**

**E. Revathi**

Director, CESS

## 18. REPORT ON NATIONAL SEMINAR ON 'ROLE OF IT AND MANAGEMENT IN FACILITATING AATMANIRBHAR BHARAT'

**SHAHED SUKHDEV COLLEGE OF BUSINESS STUDIES**  
**UNIVERSITY OF DELHI**  
*In Association with ICSSR and an IIC and IQAC-SSCBS Initiative*

Indian Council of Social Science Research  
 Azadi Ka Amrit Mahotsav  
 INSTITUTION'S INNOVATION COUNCIL (Member of IITB, Institutes)

*Presents*  
**National Seminar**  
*on*  
**The Role of IT and Management in facilitating Aatmanirbhar Bharat – 75 years of Independence**  
**(APRIL 29, 2022)**

**KEYNOTE SPEAKER**  
**Mr. Neeraj Gulati**  
 Advisor to Deputy CM's office on Entrepreneurship & Incubation

**CHIEF GUEST**  
**Mr. Ashish Joon**  
 SDM North-West Delhi

**GUEST OF HONOUR**  
**Dr. Abhishek Tandon**  
 Deputy Director, ICSSR

**PANEL 1**

 Mr. Karnal Singh Retired IIS Officer and Ex-Director of EO	 Mr. Rahul Aggarwal Former CEO at Lenovo	 Ms. Anuradha Saxty Director BFSI Conglomerates at Oracle	 Mr. Pankaj Mathur Co-founder & President CogniTensar Technology Pvt. Ltd.	 Mr. Sanjay Gupta Entrepreneur and Investor, Mobisolv
--	---	---	--	--

**PANEL 2**

 Mr. Sanjay Arora Technical Evangelist at Svich Technologies	 Dr. Ujjwal Chugh CEO and MD, Innovative Solution Technologies	 Ms. Neeti Maacker Chief Operating Officer and Strategy Head at InnoDesigns	 Ms. Saumya Chopra Head of Customer Experience at DLX	 Mr. Kushal Jain Founder, Fairdeals Fashionettes Private Limited	 Mrs. Ujjwal Belan Chief of Staff to the Founder & CEO of Samagra
---	--	--	--	---	--

**SUB THEMES**

- To assess emerging challenges posed by the Pandemic and the way forward for IT industry and its contribution towards building a self-reliant economy
- Culture of startups and its contribution to taking India to a 5 trillion dollars economy

Shaheed Sukhdev College of Business Studies organized a National Seminar on 'Role of IT and Management in facilitating Aatmanirbhar Bharat' on April 29, 2022 in the auditorium. It was sponsored by **Indian Council of Social Science Research** and under the IQAC IIC-SSCBS Initiative. The welcome address was delivered by Principal Prof. Poonam Verma followed by the address of Guest of Honor, Dr. Abhishek Tandon, Deputy Director, ICSSR, who talked about ICSSR contribution and really energized the students towards shaping a truly Aatmanirbhar Bharat; Keynote Speaker, Mr. Neeraj Gulati, Advisor to Deputy CM's Office (Entrepreneurship and Incubation) who talked about innovation in start-ups and Chief Guest, Mr. Ashish Joon, SDM North-West Delhi who shared his journey of reaching a very fulfilling career by persistence and planning.

After this, a short film was shown on the Evolution of IT during the 75 years of Independence. This was followed by a short film on 'Evolution of Cinema during the 75 years of Independence'. Another short film was shown on 'Evolution of Management during the 75 years'. This gave way to the next panel discussion on the theme - Culture of startups and its contribution to taking India to a 5 trillion dollars economy.

19. 24 मार्च को कल्याण पश्चिम स्थित के. एम. अग्रवाल महाविद्यालय (K M Agarwal College) में आज़ादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में "राष्ट्रनायक सरदार वल्लभभाई पटेल : ( National Seminar on Sardar Vallabhnbhai Patel) व्यक्तित्व और कर्तृत्व" विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय परिसंवाद का आयोजन किया गया. यह परिसंवाद महाविद्यालय के हिंदी विभाग, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (ICSSR) नई दिल्ली एवं केंद्रीय हिंदी संस्थान आगरा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया.

परिसंवाद के वक्ता के रूप में महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के कुलपति प्रो रजनीश कुमार शुक्ल उपस्थित थे. मुख्य अतिथि के रूप में मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष प्रो राजेश लाल मेहरा, वाणी प्रकाशन नई दिल्ली की निदेशक आदिती माहेश्वरी गोयल, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी के पूर्व कार्याध्यक्ष प्रोफेसर शीतला प्रसाद दुबे एवं अकादमी के सदस्य सचिव सचिन निंबालकर उपस्थित थे. समारोह अध्यक्ष के रूप में कॉलेज नियामक मंडल अध्यक्ष डॉ. आर. बी. सिंह उपस्थित थे. प्रस्ताविक प्रस्तुत महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ अनिता मन्ना ने की. परिसंवाद के संयोजक एवं हिंदी विभाग में सहायक प्राध्यापक डॉ मनीष कुमार मिश्रा ने उद्घाटन सत्र के संयोजन की भी जिम्मेदारी निभाई. दो दिन तक चलने वाले इस आयोजन में कुल छ सत्र रहे. डॉ रूपेश दुबे, अमित पंडित एवं सुहास ने पूरे कार्यक्रम का सफलता पूर्वक लाईव टेलीकास्ट यू ट्यूब चैनल पर किया.

## उत्तरशक्ति

## मुंबई आस-पास

### सरदार वल्लभ भाई पटेल पर राष्ट्रीय परिसंवाद संपन्न

**कल्याण।** कल्याण पश्चिम स्थित के. एम. अग्रवाल महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में राष्ट्रनायक सरदार वल्लभभाई पटेल : व्यक्तित्व और कर्तृत्व विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय परिसंवाद का आयोजन हिंदी विभाग द्वारा किया गया। यह परिसंवाद महाविद्यालय के हिंदी विभाग, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी, भारतीय सामाजिक अनुसंधान परिषद नई दिल्ली एवं केंद्रीय हिंदी संस्थान आगरा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। परिसंवाद के बीच वक्ता के रूप में महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के कुलपति प्रो रजनीश कुमार शुक्ल उपस्थित थे। उन्हें एनसीसी कैडेट द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया गया। मुख्य अतिथि के रूप में मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष प्रो राजेश लाल मेहरा, वाणी प्रकाशन नई दिल्ली की निदेशक श्रीमती अदिती माहेश्वरी गोयल, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी के पूर्व कार्याध्यक्ष प्रोफेसर शीतला प्रसाद दुबे एवं

अकादमी के सदस्य सचिव सचिन निंबालकर उपस्थित थे। समारोह अध्यक्ष के रूप में कॉलेज नियामक मंडल अध्यक्ष डॉ. आर. बी. सिंह उपस्थित थे। प्रस्ताविक प्रस्तुत की महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ अनिता मन्ना ने। परिसंवाद के संयोजक एवं हिंदी विभाग में सहायक प्राध्यापक डॉ मनीष कुमार मिश्रा ने उद्घाटन सत्र के संयोजन की भी जिम्मेदारी निभाई। इस अवसर पर कॉलेज नियामक मंडल के सदस्य राजू गवली और कांतिलाल जैन उपस्थित थे। आभार ज्ञापन महाविद्यालय के उप प्राचार्य डॉ राज बहादुर सिंह ने किया। दो दिन तक चलने वाले इस आयोजन में कुल छ सत्र रहे। सत्र संयोजक के रूप में डॉ राज बहादुर सिंह, डॉ अनघा राने, डॉ. महेश भिंवंडीकर, डॉ. वैशाली पाटिल एवं डॉ मुनीश पांडेय ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। समापन



सत्यवती चौबे, डॉ मिथलेश शर्मा, डॉ तेज बहादुर सिंह, डॉ अनन्त द्विवेदी, प्रो शशिकला राय, डॉ मुकेश वसावा, डॉ ऋषिकेश मिश्रा, डॉ. गजेंद्र भारतद्वज, डॉ हेमलता, डॉ दीपा, डॉ. मेना सेवती वडा, डॉ. किरण वही, डॉ. डगि, डॉ. महात्मा पाण्डेय, डॉ. प्रवीण बिट्ट, डॉ उषा दुबे, डॉ रूपेश दुबे, अमित पंडित, उदय सिंह, विजय वास्तव, बी. के. महाजन, दिव्यांजलि दत्ता, अनिता सिंह, डॉ वीणा सुमन, डॉ पल्लवी प्रकाश, डॉ रमा सिंह, डॉ सुधीर कुमार चौबे, डॉ गीता दुबे, डॉ गुलाब सिंह, डॉ मनीषा पाटिल, प्रदत्त उपाध्याय, डॉ साधना सिंह समेत कई गणमान्य व्य उपस्थित थे। उदय सिंह जी ने मीडिया प्रब की जिम्मेदारी कुशलता पूर्वक निभाई। डॉ. रूपेश दुबे, अमित पंडित एवं श्री सुहास जी ने पूरे कार्यक्रम का सफलता पूर्वक लाईव टेलीकास्ट यू ट्यूब चैनल पर किया। यह दो दिवसीय राष्ट्रीय परिसंवाद सफलता पूर्वक संपन्न हुआ।

शी  
हो  
सि  
पा  
के  
डि  
रा  
1  
को  
घा  
जा  
उप  
वि

# सरदार वल्लभभाई पटेल पर राष्ट्रीय परिसंवाद संपन्न

कल्याण, कल्याण पश्चिम स्थित के. एम. अग्रवाल महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में 'राष्ट्र नायक सरदार वल्लभभाई पटेल : व्यक्तित्व और कर्तृत्व' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय परिसंवाद का आयोजन हिंदी विभाग द्वारा किया गया। यह परिसंवाद महाविद्यालय के हिंदी विभाग, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी, भारतीय सामाजिक अनुसंधान परिषद नई दिल्ली एवं केंद्रीय हिंदी संस्थान आगरा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। परिसंवाद के बीज वक्ता के रूप में महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी

विश्वविद्यालय, वर्धा के कुलपति प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल उपस्थित थे। उन्हें एनसीसी कैडेट द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया गया। मुख्य



अतिथि के रूप में मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष प्रो. राजेश लाल मेहरा, वाणी प्रकाशन नई दिल्ली की निदेशक श्रीमती अदिति माहेश्वरी गोयल, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य

अकादमी के पूर्व कार्याध्यक्ष प्रोफेसर शीतला प्रसाद दुबे एवं अकादमी के सदस्य सचिव सचिन निंबालकर उपस्थित थे। समारोह अध्यक्ष के रूप में

कॉलेज नियामक मंडल अध्यक्ष डॉ. आर. बी. सिंह उपस्थित थे। प्रस्ताविक प्रस्तुत की

महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. अनिता मन्ना ने। परिसंवाद के संयोजक एवं हिंदी विभाग में सहायक प्राध्यापक डॉ. मनीष कुमार मिश्रा ने उद्घाटन सत्र के संयोजन की भी जिम्मेदारी निभाई।